PROF. SONIYA NITYANAND

Prof. Soniya Nityanand is an eminent clinical hematologist and medical scientist. She has played a pioneer role in establishing the field of clinical hematology and bone marrow/hematopoietic stem cell transplantation (BMT/HSCT) in the country. She is the first lady bone marrow transplant specialist in India. She is also one of the leaders in stem cell research in India. Currently she is Vice-Chancellor of King George's Medical University (KGMU), Lucknow.

2. Born on 6th September, 1962, Prof. Nityanand did her M.B.B.S. and M.D. (Medicine) from the King George Medical College (KGMC), Lucknow, in 1986 and 1989, respectively. She thereafter did a Ph.D. in Immunology from Karolinska Institute, Stockholm, Sweden. In 1993, she joined the Sanjay Gandhi Post-Graduate Institute of Medical Sciences (SGPGIMS), Lucknow, as an Assistant Professor and was deputed to develop the hematology services and BMT program. In 2003 she was appointed as Prof and Head, Dept. of Hematology and thereafter of the Stem Cell Research Centre also. She held additional charges of Executive Registrar and Chief Medical Superintendent in SGPGIMS. In 2021, she was appointed as Director of Dr Ram Manohar Lohia Institute of Medical Sciences, Lucknow.

3. Prof. Nityanand developed the first Hematology Unit of U.P. in SGPGIMS in 1993 for treatment of patients with blood disorders, when this super-specialty was just evolving in India. Thereafter, single handed she established a BMT/HSCT program in 1999. Her continued efforts led to the establishment of a comprehensive center for clinical and laboratory hematology and BMT at SGPGIMS, which is a major referral center for patients with blood disorders from U.P. and neighboring states and countries.

4. Prof. Nityanand is one of the pioneers in stem cell research in India. As early as 2005, she established a stem cell research facility at SGPGIMS under aegis of Dept. of Biotechnology, Government of India. Thereafter, she developed this facility into a full-fledged Stem Cell Research Centre with state of the art research labs, serving as a platform for multidisciplinary basic and translational stem cell research. One of her significant contributions has been the mentoring and training of young hematologist and stem cell scientists, creating a pool of super specialists in India.

5. Prof. Nityanand has been actively engaged in several community health programs in U.P. including cervical cancer awareness and vaccination program and early detection and counseling of Thalassemia Carriers in U.P. She also served as State Nodal Officer of hemophilia for strengthening of hemophilia care services in U.P.

6. Prof. Nityanand has been a resource person in the drafting of several National Policies/ Guidelines. She has served as member of many National Task Forces, Technical Expert Committees and Scientific Advisory Committees of National Medical/Scientific Institutes of repute.

7. Prof. Nityanand is a recipient of several awards, some of the noteworthy being the Chancellor's Medal for the best medical student, gold medal for the best MD (Medicine) student, Indian National Science Academy Young Scientist Award, DBT National Biosciences Career Award, Rajib Goel Young Scientist Award and the prestigious Swedish Institute Scholarship. She is an elected fellow of National Academy of Sciences, Allahabad, and the Indian Academy of Science, Bangalore.

प्रो. सोनिया नित्यानंद

प्रो. सोनिया नित्यानंद एक प्रख्यात क्लिनिकल हेमेटोलॉजिस्ट और चिकित्सा वैज्ञानिक हैं। इन्होंने देश में क्लिनिकल हेमेटोलॉजी और बोन मैरो/हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन (बीएमटी/एचएससीटी) के क्षेत्र को स्थापित करने में अग्रणी भूमिका निभाई है। वह भारत की पहली महिला बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ हैं। वह भारत में स्टेम सेल अनुसंधान में अग्रणी लोगों में से एक हैं। वर्तमान में वह किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), लखनऊ की कुलपति हैं।

2. 6 सितम्बर, 1962 को जन्मीं, प्रो. नित्यानंद ने किंग जॉर्ज चिकित्सा महाविद्यालय (केजीएमसी), लखनऊ से वर्ष 1986 और 1989 में क्रमशः एमबीबीएस और एमडी (मेडिसिन) की शिक्षा पूरी की। तत्पश्चात, इन्होंने स्वीडन के स्टॉकहोम स्थित कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट से इम्यूनोलॉजी में पीएचडी की। वर्ष 1993 में, इन्होंने संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस), लखनऊ में सहायक आचार्य के रूप में पदभार संभाला और इन्हें हेमेटोलॉजी सेवाओं और बीएमटी कार्यक्रम को बढाने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया। वर्ष 2003 में इन्हें हेमेटोलॉजी विभाग तथा उसके बाद स्टेम सेल रिसर्च सेंटर की प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष भी नियुक्ति किया गया। इन्होंने एसजीपीजीआईएमएस में कार्यकारी रजिस्ट्रार और मुख्य चिकित्सा अधीक्षक का अतिरिक्त प्रभार संभाला। वर्ष 2021 में इन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ का निदेशक नियुक्त किया गया।

3. प्रो. नित्यानंद ने वर्ष 1993 में एसजीपीजीआईएमएस में रक्त विकारों के रोगियों के उपचार के लिए उत्तर प्रदेश की पहली हेमेटोलॉजी यूनिट तब विकसित की जब यह सुपर–स्पेशलिटी भारत में नई–नई थी। तत्पश्चात, इन्होंने अकेले ही वर्ष 1999 में बीएमटी/एचएससीटी कार्यक्रम की स्थापना की। इनके निरंतर प्रयासों से एसजीपीजीआईएमएस में नैदानिक और प्रयोगशाला हेमेटोलॉजी और बीएमटी के लिए व्यापक केंद्र की स्थापना हुई, जो उत्तर प्रदेश और पड़ोसी राज्यों तथा अन्य देशों के रक्त विकार से पीड़ित रोगियों के लिए प्रमुख रेफरल केंद्र है।

4. प्रो. नित्यानंद भारत में स्टेम सेल अनुसंधान के अग्रदूतों में से एक हैं। वर्ष 2005 की शुरुआत में, इन्होंने भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तत्वावधान में एसजीपीजीआईएमएस में स्टेम सेल अनुसंधान सुविधा की स्थापना की। तत्पश्चात, इन्होंने इस सुविधा केंद्र को अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं के साथ पूर्ण विकसित स्टेम सेल अनुसंधान केंद्र में विकसित किया, जो बहु–विषयक बुनियादी और ट्रांसलेशनल स्टेम सेल अनुसंधान के लिए प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है। इनका महत्वपूर्ण योगदान युवा हेमेटोलॉजिस्ट और स्टेम सेल वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन और प्रशिक्षण रहा है, जिससे भारत में अति विशिष्ट विशेषज्ञों (सुपर स्पेशियलिस्ट) का समूह तैयार हुआ है।

5. प्रो. नित्यानंद ने उत्तर प्रदेश में कई सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई है, जिसमें उत्तर प्रदेश में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जागरूकता और टीकाकरण कार्यक्रम तथा थैलेसीमिया वाहकों की शीघ्र पहचान और परामर्श शामिल हैं। इन्होंने उत्तर प्रदेश में हीमोफीलिया देखभाल सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए हीमोफीलिया के राज्य नोडल अधिकारी के रूप में भी काम किया है।

6. प्रो. नित्यानंद ने कई राष्ट्रीय नीतियों/दिशानिर्देशों के प्रारूपण में क्षेत्र विशेषज्ञ की भूमिका निभाई हैं। इन्होंने कई राष्ट्रीय टास्क फोर्स, तकनीकी विशेषज्ञ समितियों और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चिकित्सा/वैज्ञानिक संस्थानों की वैज्ञानिक सलाहकार समितियों के सदस्य के रूप में काम किया है।

7. प्रो. नित्यानंद को कई पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ मेडिकल छात्र के लिए चांसलर मेडल, सर्वश्रेष्ठ एमडी (मेडिसिन) छात्र के लिए स्वर्ण पदक, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, डीबीटी राष्ट्रीय जैव विज्ञान कैरियर पुरस्कार, राजीब गोयल युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और प्रतिष्ठित स्वीडिश संस्थान छात्रवृत्ति उल्लेखनीय हैं । वह नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इलाहाबाद और इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस, बैंगलोर की निर्वाचित फेलो हैं।